जालोर जिले में गायों में फैल रही है लम्पी स्किन बीमारी

भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे, उपचार के अभाव में गाय दम तौड़ रही हैं

जालोर, (कासं)। जिले भर में गायों में लम्पी स्किन बीमारी तेजी से फैल रही है। भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। लेकिन गायों के मरने का सिलसिला जारी है। उचित उपचार के अभाव में गाय तडप तडप कर दम तौड़ रही है।

जालोर जिले के बागरा कस्बे में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से बीमारी गायों के लिये भीनमाल रोड साँवलाजी मन्दिर के पास खाली पड़ी जमीन पर एक गौशाला की व्यवस्था की है। जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा ट्रेक्टर कर गांव में जगह -जगह जो लम्पी स्किन बीमारी से पीड़ित गायें खड़ी हैं उनको गौशाला में लाया जा रहा है। उस गौशाला में बीमार गायों के लिये चारा पानी दवाई की व्यवस्था की गई है। भामाशाहों के द्वारा पीड़ित गायों पर फिटकरी,नीम आदि से बनी दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है।

इस गौशाला का सरपंच सत्यप्रकाश राणा ने शनिवार को निरीक्षण किया तथा बीमारी से पीड़ित गायों को हर सम्भव सहायता देने की बात कही। पशु चिकित्सक इमरान खान इलाज में जुटे हैं। इस अवसर पर भामाशाह थानमल प्रजापत, कृष्णपाल सिंह सिंधल,गोपाल सिंह मोक राजपुरोहित, भगवत सिंह,पंचायत सहायक हरीश रांगी सहित कई गौसेवक मौजूद रहे।

सामाजिक संगठन के लोगों ने गोशाला में सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव किया।

- बागरा कस्बे में भीनमाल रोड सांवलाजी मन्दिर के पास संक्रमित गायों के लिए गौशाला बनाई

जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं विकास अधिकारियों द्वारा लंपी स्किन डिजीज के संबंध में सारणेस्वर गौशाला (महेशपुरा), जालंधरनाथ गौशाला, अरणाय गौशाला, तिलोदा, मेंगलवा गौशाला, कृष्ण गौशाला (लेटा), सांकरणा गौशाला, कागमाला गौशाला, भापड़ी गौशाला, मालवाड़ा गौशाला, भागल सेफ्टा, सुरेस्वर गौशाला (ऊन) सहित जिले में स्थित विभिन्न गौशालाओं में पशु चिकित्साधिकारियों के साथ पहुंचकर व्यवस्थाएं देखी।

सीएमओं से हरी झंडी का हो रहा है इंतजार, जल्द होंगे शिक्षक तबादले

- सीएम सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है

बीकानेर, (कासं)। तबादलों पर रोक हटने के बाद आदेशों की झड़ी लगाने वाले शिक्षा विभाग में इस बार जल्दबाजी नहीं है, बल्कि ट्रांसफर का इंतजार कर रहे टीचर्स भी परेशान हो गए हैं। स्कूल्स में सेशन शुरू हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो गया लेकिन ट्रांसफर लिस्ट जारी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट को अंतिम रूप दे दिया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जयपुर पहुंची टीम के मुताबिक काम होता तो अब तक ट्रांसफर आदेश तो दूर ज्वाइनिंग भी हो जाती। इसके विपरीत ट्रांसफर लिस्ट में बार बार फेरबदल हो रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है। वहीं पहले से बनी लिस्ट्स में बार- बार फेरबदल हो रहा है। यही कारण है कि ट्रांसफर लिस्ट में नित नई अड़चन आ रही है।

एक अनुमान के मुताबिक प्रिंसिपल और हेडमास्टर के साथ ही लेक्चरर और ग्रेड सेकंड के ट्रांसफर की लिस्ट तैयार है। इस ट्रांसफर से पहले महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल व हेडमास्टर लगाए जाने थे। अब वो काम भी लगभग हो चुका है। ग्रेड सेकंड के टीचर्स को भी महात्मा गांधी स्कूल के लिए चयनित किया जा रहा है। इस चयन के बाद ग्रेड सेकंड की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। जबकि प्रिंसिपल व हेडमास्टर के साथ लेक्चरर की लिस्ट तैयार है। वहीं समसा में भी बड़ी संख्या में टीचर्स का डेपुटेशन होना था। यहां लेक्चरर को छोड़ सभी के डेपुटेशन का काम हो चुका है। महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल की लिस्ट एक बार जारी हुई लेकिन बाद में स्थगित कर दी गई।

इस कारण प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट में भी फेरबदल हो रहा है। बताया जा रहा है कि अब सोमवार से ट्रांसफर का सिलसिला शुरू हो सकता है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने शनिवार को भी अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। अब नए सिरे से मशक्कत करके जल्द से जल्द ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकार्पण से पहले ही जगह-जगह से उखड़ी सड़क

मिसिंग लिंक योजना के तहत बनी सड़क कुछ महिनों में ही उखड़ी।

- 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से हुआ 2.90 किमी सड़क का निर्माण

चौंमू/ कालाडेरा, (निसं)। मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा 2.90 किमी सड़क का निर्माण कार्य मिसिंग लिंक योजना के तहत कालाडेरा से भीलपुरा तक वाया चाहरों की ढाणी तक किया गया। जिस सड़क का लोकार्पण विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया जाएगा उस सड़क को बने हुए अभी लगभग 2 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। सड़क मानसून कि पहली बारिश में ही जगह-जगह से टूट कर उखड़ चुकी है साथ ही सड़क टूटने के कारण बारिश का पानी भी सड़क पर भरा है वहीं सड़क के दोनों और कई जगह तो अभी भी मोहरम डाल कर पट्टी बनाना बाकी है।

गौरतलब है कि सड़क का शिलान्यास 15 अक्टूबर 2021 को चौंमू विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया था। वहीं विभाग के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है उस बोर्ड पर कार्य प्रारंभ करने की तिथि 3 अक्टूबर 2021 एवं नियत समाप्ति तिथि 2 जून 2022 लिखी हुई है। लेकिन अभी तक भी सड़क का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है साथ ही घटिया निर्माण कार्य के कारण सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी है। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम कि सूचना मिलने के बाद कार्यक्रम में आने वाले जनप्रतिनिधियों को घटिया निर्माण कार्य का पता ना चले इसको लेकर ठेकेदार के द्वारा आनन-फानन में पेच वर्क करने का काम भी किया जा रहा है।

एएसआई घूस लेते ट्रैप

श्रीगंगानगर,(निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो की श्रीगंगानगर चौकी ने शनिवार को श्रीगंगानगर में कार्रवाई करते हुए श्रीकरणपुर थाने के एएसआई को धर दबोचा। एएसआई ने एक मामले में एफआर लगाने की एवज में पहले पचास हजार रुपए रिश्वत की मांग की। अंत में पंद्रह हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। गुरुवार को रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया। वेरिफिकेशन हो जाने पर शनिवार को एसीबी ने डीएसपी वेदप्रकाश लखोटिया के निर्देशन में कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। श्रीगंगानगर की सिंधी कॉलोनी के रहने वाले उग्रसेन पुत्र धर्मपाल मूल रूप से श्रीकरणपुर के गांव मुकन का रहने वाला है। उसके खिलाफ श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज था। उग्रसेन की शिकायत पर एसीबी ने रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया तो मामला पंद्रह हजार रुपए देने पर तय हो गया। वेरिफिकेशन के वक्त गुरुवार को आरोपी उग्रसेन ने दस हजार रुपए शेष पांच हजार रुपए शनिवार को देना तय हुआ। शनिवार को उग्रसेन पांच हजार रुपए रिश्वत राशि देने के लिए पहुंचा। इसी दौरान एसीबी ने जाल बिछा लिया। मौके पर आरोपी के रिश्वत राशि लेने के साथ ही एसीबी टीम ने उसे धर दबोचा।

- मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी 15 हजार रुपए रिश्वत

लम्पी डिजीज को लेकर सामाजिक संगठन आगे आए

- तारा संस्था, विहिप, ओम माधव सतिति सहित पीपाड़ के युवा गौ सेवा में जुटे

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के साथ मारवाड़ में तेजी से पैर पसार रहे लंपी वायरस को लेकर प्रशासन के साथ अब सामाजिक संगठन भी आगे आने लगे है। कोई नीम-गिलोय और हल्दी के लड्डू बनाकर गायों को खिला रहे हैं तो कोई गायों के बाड़े में हाइपो और कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव कर रहे हैं। वहीं कोई गायों के लिए आयुर्वेदिक चाटा बनाकर खिला रहा है।

तारा सेवा संस्थान ने बनाड़ रोड गिरिजा नगर में पालतू गायों को लंपी बीमारी से बचाने के लिए घर-घर और गोशालाओं में सर्वे कर सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिडक़ाव किया।

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग ने 6 टोलियां बना 6 स्थानों पर 6 हजार औषधियुक्त लड्डू बना बीमार गायों को खिलाने का अभियान शुरू किया। इसमें विहिप के अनिल अग्रवाल, जितेंद्र शर्मा कृष्णा वैष्णव के नेतृत्व में टीमें जुटी हैं।

ओम माधव गो सेवा समिति अध्यक्ष राहुल सोलंकी व अरुण सोलंकी ने बताया कि गायों को हल्दी, काली मिर्च, देसी घी आदि से चाटा बनाकर सुबह-शाम खिला रहे हैं।

गोवंश बचाओ अभियान के तहत ग्राम पंचायत सांगरिया में पशुओं में फैल रही लंबी बीमारी से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाए गए।

पीपाड़ शहर के युवाओं ने त्वरित रूप से अपने स्तर पर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर स्वयं के स्तर पर वित्तीय सहायता राशि एकत्रित कर क्षेत्र के गोवंश की देखभाल एवं बचाव करने की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया।

युवाओं की पहल और अनुकरणीय भागीदारी की सराहना करते हुए उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने कहा कि इससे आम जन में प्रेरणा का संचार होगा।

पावटा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लंपी वायरस के मामले मिले

- डॉक्टरों की टीम गठित कर किया जा रहा उपचार

पावटा, (निसं)। राजस्थान में तेजी से फैल रही संक्रामक बीमारी लंपी स्किन गौवंश के लिए जानलेवा हो गई है। विशेषकर गौशालाओं में इस रोग का अटैक सबसे अधिक देखने को मिल रहा है।

दरअसल लंपी स्किन डिजीज संक्रमण को लेकर उपखंड पावटा में प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हेने के बाद भी यह पावटा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रोग धीरे धीरे पनप रहा है।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में बीमारी से ग्रसित गांयों को देखकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने पशु विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए गांवों में पशुओं के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम गठित की। पावटा क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से ग्रसित पांच गौवंशों की सूचना पर मौके पर पहुंचे एलएसए गोविन्द भारद्वाज ने स्वयं के खर्चे पर ही उपचार किया। चरवाहों का एक समूह लो लगभग 40 से 50 गाय लेकर जा रहा था। डॉ. गौरीशंकर शर्मा ने उन्हें रोककर उन गायों को देखा तो उनमें एक गाय संक्रमित पायी गयी। जिस पर भारद्वाज को मौके पर बुलाकर गौवंश का उपचार करवाया गया।

राताकोट में लंपी वायरस की दस्तक

बांदनवाड़ा, (निसं)। भिनाय उपखंड की पंचायत राताकोट में एक गाय ल म्पी वायरस के संक्रमण की संदेहास्पद पाई गई। रामल ाल रिणवा ने बताया कि पशुपाल क रामधन थरौदा की गाय लंपी वायरस के संक्रमण से ग्रसित पाई गई जिसकी पुष्टि पशु चिकित्सक अरविंद कुमार ने की है। संक्रमित गाय का शनिवार को पशु चिकित्सा कर्मियों की टीम ने गांव राताकोट पहुंचकर उपचार किया।

नाकाबंदी में कांस्टेबल शहीद, पुलिस महकमे में छाया शोक

घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची व लोगों की भीड़ लग गई।

- तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में कांस्टेबल रमेश को चपेट में ले लिया
- कार और खंभे के बीच फंस गया था कांस्टेबल रमेश विश्नोई
- साल भर पहले हुई थी शादी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम के कुडी थाने में तैनात कांस्टेबल रमेश विश्नोई रात को ड्यूटी करते शहीद हो गये। एक अधिवक्ता की कार ने ड्यूटी करते जोरदार टक्कर मारी। अस्पताल ले जाने के कुछ देर बाद निधन हो गया। इस घटना से पुलिस महकमे शोक की लहर छा गई। हाल ही के दिनों में यह दूसरी घटना है। बोरानाडा में रात को ड्यूटी करते एक कांस्टेबल की मृत्यु हो गई थी।

आज सुबह कमिश्नरेट पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ सहित कई अफसर एम्स अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे। जहां कांस्टेबल रमेश विश्नोई को गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के साथ शव पर पुष्प गुच्छ चढ़ाए।

शेरगढ़ के केतु स्थित खेत नगर के रहने वाला 27 वर्षीय कांस्टेबल रमेश विश्नोई शुक्रवार की रात पौने बारह बजे के आस -पास वह नाका नंबर 3 पर डिवाइडर पर चढ़ टार्च से रोशनी कर संदिग्ध की तलाश में भी था। इतने में नाका की तरफ आई एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में उस पर चढ़ते हुए कांस्टेबल रमेश विश्नोई को चपेट में लिया। कार की गति इतनी तेज थी कि वह कांस्टेबल को उड़ाते हुए खंभे से जा भिड़ी। कार और खंभे के बीच कांस्टेबल रमेश विश्नोई फंस गया।

कुड़ी थाने के सबइंस्पेक्टर विश्राम मीणा के अनुसार कार चालक अधिवक्ता महिपाल विश्नोई था। नशा किए जाने की बात से पुलिस ने इंकार किया है। घटना में वह भी कुछ चोटिल हुआ है। कांस्टेबल रमेश विश्नोई की शादी सालभर पहले ही हुई थी। उसके कोई संतान भी नहीं है।

पुलिस आयुक्त सहित कई अफसर एम्स पहुंचे : आज सुबह पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, डीसीपी वेस्ट गौरव यादव, एडीसीपी हरफूलसिंह, एसीपी बोरानानाडा जेपी अटल, कुड़ी थानाधिकारी सुमेरदान सहित कई अन्य अफसरों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर शव को राजकीय सम्मान के साथ गांव के लिए विदा किया गया।

इस घटना के बाद आज पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि शराब पीकर और ओवर स्पीड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। आज से 12 अगस्त तक अभियान चलाकर वाहनों को पकड़ने के साथ चालकों का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा।

तालाब में नहाने गई तीन बालिकाओं की पानी में डूबने से मौत

करौली(नि.स.)। करौली जिले के मण्डरायल उपखंड की चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के मुरीला गांव के तालाब में डूबने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकाला। वहीं गांव मे कोहराम मच गया और शोक की लहर छा गई।

चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच अशोक ने बताया कि शनिवार को दोपहर राजकुमारी पुत्री विद्याराम निवासी मुरीला, सनई पुत्री यादराम निवासी मुरीला, गौरा पुत्री हरकेश निवासी रामपुर की झोपड़ी तथा एक अन्य बालिका के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चली गई। जहां तीन बालिकाएं पानी मे नहाने लगी और एक बालिका किनारे पर ही रुक गई। तालाब के गहरे पानी में जाने के कारण तीनो बालिकाएं डूबने लगी। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में सभी बालिकाएं गहरे पानी में चली गई। इस दौरान तालाब किनारे पर बैठी बालिका भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीणों की भीड़ तालाब पर जमा हो गई। लोगों ने मशक्कत के बाद तीनों बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकालें। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार, उपजिला कलेक्टर और मण्डरायल थानाधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पूर्व सरपंच ने बताया कि गौरा अपने ननिहाल मुरीला गांव में ही रहती थी और गांव की लड़कियों के साथ तालाब में नहाने चली गई। घटना के बाद बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की।

हत्या के आरोपियों को फांसी सुनाई

भीलवाडा (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में 7 साल पहले हुए निंबाहेडा के एक परिवार की निर्मम हत्या के मामले में एडीजे (महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट) ने शनिवार को अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने इस निर्मम हत्याकांड के मुख्य आरोपित शराफत व इसके राखीबंद भाई राजेश खटीक को फांसी की सजा से दंडित किया है। दोनों पर क्रमश: 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशिष्ट लोक अभियोजक संजू बापना ने बताया कि जिले के मांडल व रायला थाना क्षेत्र में निम्बाहेड़ा के 38 वर्षीय युनूस उर्फ सोनू, इसकी पत्नी चांदतारा उर्फ सोनिया 35, बेटे अशरफ 10, बेटी गुडिया 7, साजिया उर्फ आशिदा 4 व शकीना 2 को जियारत के बहाने यहां लाकर हत्या कर दी थी। एक ही परिवार के 6 सदस्यों की खौफनाक हत्या से पूरा क्षेत्र सहम उठा था।

बनास पुल टूटने की सूचना पर मचा हड़कम्प

- मौके पर पहुंचे तो पता चला कि जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी
- सच्चाई जानने मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए

टोंक, (निसं)। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सहित जिला मुख्यालय पर उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब यह खबर आग की तरह फैली कि बनास पुल टूट गया है। तत्काल अधिकारियों एवं सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और तब राहत की सांस ली, जब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी।

जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एडीएम परशुराम धानका, एसडीएम गिरधर, एएसपी सुभाष चन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद, शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह, थानाधिकारी राजेन्द्र खंडेलवाल सहित कई अधिकारी, पुलिस जवान, एनडीआरएफ ओम सहित शहर के जागरुक लोग मौके पर पहुंच गए और मौके पर हालात जाने और सच्चाई जानने के लिए मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। सबने जब राहत की सांस ली, तब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी। सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रील होती है, जिससे पता चलता है कि कौन अधिकारी कितना चौकन्ना है और कौन लापरवाह है और शहर की जनता का कितनी सजग है।

मालपुरा में निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी गिरी

मलबे में दबे पांच श्रमिक, चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर अम्बापुरा गांव के पास सड़क सीमा से महज सौ मीटर दूर कृषि भूमि पर अवैध रूप से निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी धराशाही हो जाने से मलबे में दबकर पांच श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें डिग्गी कल्याणजी के जा रहे पदयात्रियों ने निकाल और मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पांचों घायलों को जयपुर रैफर किया गया।

मामले के अनुसार टोरडी ग्राम पंचायत के अम्बापुरा गांव के पास कृषि भूमि खसरा नम्बर 429/3 में अवैध रूप से निर्माणाधीन एक ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी शनिवार की दोपहर गिरने के बाद श्रमिकों के चिल्लाने व मलबे में दबने के बाद मौके पर मौजूद ईंट भट्टा निर्माण करवा रहे जिम्मेदार लोग मौके से भाग छूटे।

हादसे के दौरान देवली से डिग्गी कल्याणजी के जा रही पदयात्रा में शामिल मुकेश पारासर, ममता, शिवा, राजू सहित अन्य पदयात्रियों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे में दबे घायल श्रमिकों को निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल मोहम्मद नजर, यूसुफ, रईश, अनीश व फारूक निवासी बेटला यूपी को मालपुरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया।

मीडियाकर्मियों द्वारा हल्का पटवारी अजय यादव से ली जानकारी में सामने आया कि खसरा नम्बर 429/3 जो कि गोपाल नायक, रमेश, पुष्पा, रामा, सीता, रामस्वरूप सभी जाति नायक निवासी अम्बापुरा व 1/30 हिस्सा पांचू रेगर का है जो कि राजस्व रिकॉर्ड में बारानी भूमि दर्ज है। ईंट भट्टा निर्माण से पूर्व उक्त भूमि को व्यवसायिक उपयोग के लिए कनर्वजन हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

निर्माणाधीन ईंट भट्टे की चिमनी गिरने के बाद घायलों का मालपुरा अस्पताल में उपचार कराया।

- राजस्व विभाग ने साधी चुप्पी

मौके पर मौजूद अम्बापुरा के ग्रामीणों ने बताया कि कृषि भूमि पर ईंट भट्टा निर्माण के लिए तकरीबन आधा दर्जन प्रभावशाली लोगों ने जमीन के खातेदारों से उक्त जमीन लगभग 15 लाख रूपये में लीज पर लेकर बिना सुरक्षा संसाधनों के घटिया निर्माण सामग्री से निर्माण कार्य करवा जा रहा था।

मौके पर सुरक्षा संसाधनों का अभाव सामने आया। बिना भूमि रूपान्तरण करवाये कृषि भूमि पर व्यवसायिक गतिविधि होने के बावजूद सम्बन्धित गिरदावर पटवारी यहां तक की राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं करना सवालों के घेरे में है।

आयुर्विज्ञान परिषद ने श्रीगंगानगर मैडिकल कॉलेज को 100 सीटें स्वीकृत की

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद के द्वारा श्रीगंगानगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज मे सत्र 2022-23 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों के साथ शुरुआत की अनुमति प्रदान कर दी है। लोकसभा सांसद निहालचन्द ने संसदीय क्षेत्र को इसी वर्ष इस सौगात हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का धन्यवाद प्रेषित किया है।

इस सरकारी मेडिकल कॉलेज को भौतिक संसाधनों के गहन निरीक्षण व परीक्षण के बाद अनुमति दी गई है। लोकसभा सांसद निहालचंद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति से लेकर मेडिकल की सीटों की स्वीकृति के लिए लम्बे समय से विभिन्न मंत्रालयों के सम्पर्क में रहे हैं। फिलहाल 100 सीटों के साथ इसकी शुरुआत इस सीमावर्ती क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। इनमें से 15 सीट एनआरआई और 15 सीट आल इंडिया कोटे की हैं। एनआरआई सीट की फीस एक लाख डॉलर होगी। शेष 70 सीटों मे से 35 सीटें मैनेजमेंट की होंगी। इन सीटों पर जिनका दाखिला होगा, उन्हें 5 लाख रुपए सालाना फीस देनी होगी। शेष 35 सीट सरकारी होंगी, जिनकी फीस लगभग 50 हजार रुपए बताई गई है।